एक नजर में

दूसरे सोमवार को निकलेगी पालकी

गुना। श्रावण मास के पावन अवसर पर प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी बाबा भोलेनाथ की पालकी शोभायात्रा 21 जुलाई सोमवार को शहर में निकाली जाएगी। यह भव्य शिव दर्शन सवारी यात्रा श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर, जय स्तंभ चौराहा गुना से दोपहर 1 बजे प्रारंभ होकर नगर के प्रमुख मार्गों का भ्रमण करेगी। यात्रा का आयोजन श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर समिति के तत्वावधान में किया जा रहा है। मंदिर समिति के अनुसार पालकी यात्रा मंदिर प्रांगण से प्रारंभ होकर आर्य समाज स्कूल, गुरुद्वारा, लक्ष्मीगंज, जय स्तंभ चौराहा, तेलगानी चौराहा, हनुमान चौराहा, हाट रोड, सदर बाजार होते हुए पुनः मंदिर परिसर में सम्पन्न होगी।

घायल महिलाओं को पहुंचाया अस्पताल

गुना। जिले के म्याना थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम चक देवपुर में दो मोटरसाइकिलों की टक्कर में घायल हुई दो महिलाओं को डायल-112/100 के एफआरवी वाहन से तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया गया। यह सडक हादसा गत शाम करीब 7:15 बजे हुआ, जिसकी सूचना राज्य स्तरीय पुलिस कंट्रोल रूम डायल-112/100 भोपाल को प्राप्त हुई। सूचना मिलते ही म्याना क्षेत्र में तैनात डायल-112/100 वाहन को तत्काल मौके पर रवाना किया गया। एफआरवी में तैनात आरक्षक सचिन रघुवंशी एवं पायलेट दिलीप मीणा मौके पर पहुंचे, जहां दो महिलाएँ—मंदोदरी अहिरवार एवं लाली अहिरवार सडक हादसे में घायल पाई गईं। दोनों महिलाओं को तुरंत प्राथमिक उपचार हेतु एफआरवी वाहन से जिला अस्पताल गुना लाया गया, जहाँ चिकित्सकों द्वारा उपचार प्रदान किया गया।

गुना में स्मार्ट मीटरों के खिलाफ कांग्रेस का हस्ताक्षर अभियान

जनता से किया विरोध में शामिल होने का आह्वान, शहर की हर गली में विरोध

गुना। शहर में विद्युत वितरण कंपनी द्वारा घर-घर लगाए जा रहे स्मार्ट मीटरों के खिलाफ अब विरोध की आवाज़ और तेज़ होती जा रही है। गुरुवार को जिला कांग्रेस कमेटी एवं नगर पालिका परिषद गुना के कांग्रेस पार्षदों ने संयुक्त रूप से नगरपालिका कार्यालय के सामने हस्ताक्षर अभियान चलाया। इस अभियान के माध्यम से आमजन को जागरूक करते हुए स्मार्ट मीटर के कथित दुष्परिणामों के विरोध में समर्थन जुटाया गया। अभियान के दौरान कांग्रेस जनों ने स्टॉल लगाकर वहां से गुजरने वाले नागरिकों से संपर्क किया और हस्ताक्षर के ज़रिए विरोध दर्ज करने की अपील की।

कार्यक्रम में कांग्रेस पार्षदों ने स्मार्ट मीटरों को लूट की योजना बताते हुए कहा कि इन मीटरों के लगने के बाद उपभोक्ताओं को मनमाने बिजली बिल थमाए जा रहे हैं। ऐसे कई उदाहरण सामने आ चुके हैं जहाँ गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों के पास हजारों से लेकर लाखों रुपए तक के बिल पहुंचाए गए हैं। विरोध स्वरूप लगाए गए बैनर-पोस्टरों में लिखा था स्मार्ट मीटर का विरोध करें और अंग्रेजों भारत छोड़ो की तरह अब मीटर कंपनियों को गुना छोड़ो।

जनता को संबोधित पर्चे में लिखा गया कि स्मार्ट मीटरों की कीमत लगभग 25,000 है, जिसे जबरन उपभोक्ताओं से वसूला जा रहा है, जबकि पुराने मीटर ठीक स्थिति में थे और उनकी कोई तकनीकी खामी नहीं थी। साथ ही यह भी बताया गया कि ये मीटर आम मीटरों की तुलना में 20 फीसदी तेज़ी से चलते हैं जिससे उपभोक्ताओं पर आर्थिक बोझ और बढ़ जाएगा। पर्चे में यह भी उल्लेख किया गया कि इन मीटरों से निकलने वाली किरणें स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक हो सकती हैं, और यदि मोबाइल में बैलेंस न हो तो बिजली सप्लाई भी बंद कर दी जाती है। कांग्रेस नेताओं ने इस मुद्दे पर शहरवासियों से एकजुट होकर विरोध करने की अपील करते हुए कहा कि यह समय जागरूक होने का है, ताकि निजी कंपनियों की लूट की इस साजिश को नाकाम किया जा सके।

उन्होंने जनता से आह्वान किया कि जिस प्रकार भारतवासियों ने कभी 'भारत छोड़ो आंदोलन' चलाया था, उसी तरह इस बार 'स्मार्ट मीटर हटाओ आंदोलन' छेड़ना जरूरी हो गया है। हस्ताक्षर अभियान के दौरान नगर कांग्रेस अध्यक्ष, पार्षदगण और स्थानीय कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

घर से निकली नाबालिग को कोतवाली पुलिस ने दो घंटे में किया बरामद

घटना 16 जुलाई के शाम 7 बजे की, बालिका की उम्र 14 वर्ष

गुना। पुलिस अधीक्षक अंकित सोनी के निर्देशन में गुना जिले में नाबालिगों की गुमशुदगी और अपहरण संबंधी मामलों को प्राथमिकता के साथ लिया जा रहा है। इसी क्रम में गुना कोतवाली पुलिस ने एक नाबालिग लडकी को मात्र दो घंटे में सकुशल बरामद कर परिजनों के हवाले किया। घटना 16 जुलाई की शाम करीब 7 बजे की है, जब कोतवाली क्षेत्र निवासी 14 वर्षीय एक नाबालिग बच्ची अपने परिजनों से नाराज होकर बिना किसी को बताए घर से निकल गई। परिजनों ने बच्ची को रिश्तेदारों और आसपास काफी तलाशा, लेकिन जब सफलता नहीं मिली तो रात 10 बजे वे कोतवाली पहुंचे और बच्ची की गुमशुदगी की सूचना दी। सूचना मिलते ही कोतवाली थाना प्रभारी सी.पी.एस. चौहान ने मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक अंकित सोनी को अवगत कराया। श्री सोनी ने तत्काल एक विशेष टीम गठित कर बच्ची को जल्द खोजने के निर्देश दिए। टीम ने पहले बच्ची के आसपास पूछताछ की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। क्षेत्रीय कैमरे बंद मिलने पर सीसीटीवी कंट्रोल की मदद ली गई, जहां फुटेज में बच्ची को संजय स्टेडियम की ओर जाते देखा गया। इसके बाद टीम ने स्टेडियम क्षेत्र में सर्चिंग की तो बच्ची एक कोने में अकेली बैठी मिली। पुलिस ने उसे सकुशल थाने लाकर परिजनों को सौंप दिया। परिजनों ने गुना पुलिस का आभार जताया। इस कार्रवाई में निरीक्षक सी.पी.एस. चौहान, प्रधान आरक्षक सहवाल खान, आरक्षक अंकित रघुवंशी, महिला आरक्षक प्रगति राजपूत, दीक्षा रघुवंशी और भावना चौहान की सराहनीय भूमिका रही।

स्मार्ट मीटर के विरोध में बूढ़ेबालाजी की गलियों में गूंजी जनता की आवाज

गुना। शहर में प्रीपेड स्मार्ट मीटरों के बढ़ते विरोध के बीच गुरुवार को बूढ़ेबालाजी क्षेत्र में नागरिकों ने जोरदार प्रदर्शन किया। हरीपुर रोड सहित आसपास की गलियों में रैली निकालते हुए लोगों ने हमें स्मार्ट मीटर नहीं चाहिए जैसे नारों के साथ बिजली कंपनी की नीति के खिलाफ विरोध जताया। इस जनआंदोलन का नेतृत्व आल इंडिया बिजली उपभोक्ता एसोसिएशन द्वारा किया गया, जिसके बैनर तले स्थानीय मोहल्ला कमेटियां बनाकर जनजागरण अभियान चलाया जा रहा है। सभा को संबोधित करते हुए एसोसिएशन के प्रतिनिधि मनीष श्रीवास्तव ने कहा कि प्रीपेड स्मार्ट मीटर निजी कंपनियों की आम जनता की जेब पर डाका डालने की साजिश हैं। इन मीटरों के माध्यम से उपभोक्ताओं को कई गुना ज्यादा बिजली बिल थमाए जा रहे हैं, जिससे आम आदमी बुरी तरह परेशान है। उन्होंने कहा कि सरकार ने बिजली सेवाओं को निजी हाथों में सौंपकर जनता की गाढ़ी कमाई को कॉर्पोरेट कंपनियों के हवाले कर दिया है। यह न केवल जनहित के खिलाफ है, बल्कि टैक्स देने वाली जनता के साथ धोखा भी है। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि स्मार्ट मीटर सुविधा नहीं, बल्कि संकट बनकर

आया है। यह व्यवस्था न तो सस्ती है, न ही पारदर्शी। दिन-रात लाइट कटने की स्थिति और दोगुना-तीनगुना बिल लोगों को लगातार मानसिक व आर्थिक रूप से परेशान कर रहे हैं। विरोध स्वरूप नागरिकों ने आगामी 22 जुलाई को गुना शहर में एक विशाल महारैली आयोजित करने की घोषणा की है, जिसमें हर घर से नागरिकों को भाग लेने की अपील की जा रही है। रैली में बूढ़ेबालाजी क्षेत्र के सैकड़ों महिलाएं, पुरुष और बच्चे शामिल हुए।

प्रथम वर्ष में अव्वल, द्वितीय वर्ष में शून्य अंक! छात्रों ने आरटीआई से मांगी कॉपियां

गुना। पीजी कॉलेज के छात्रों ने जीवाजी विश्वविद्यालय द्वारा जारी परीक्षा परिणामों में गंभीर गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए सूचना के अधिकार के तहत अपनी उत्तर पुस्तिकाएं मांगी हैं। इस पूरे आंदोलन का नेतृत्व डीएसओ कॉलेज इकाई द्वारा किया जा रहा है। छात्रों का आरोप है कि यूनिवर्सिटी की मूल्यांकन प्रक्रिया में भारी लापरवाही बरती जा रही है, जिससे बड़ी संख्या में छात्रों को जानबूझकर फेल या सप्लीमेंट्री दे दी गई है। डीएसओ कॉलेज इकाई अध्यक्ष शुभम राव ने बताया कि बीते कई वर्षों से जीवाजी विश्वविद्यालय की परीक्षा प्रणाली में गड़बडयिां उजागर हो रही हैं। छात्रों को आंदोलन कर-करके ही उत्तर पुस्तिकाएं चेक करानी पड़ रही हैं और तब जाकर विश्वविद्यालय अपनी गलती सुधारता है। ताजा मामला बीएससी द्वितीय और तृतीय वर्ष के छात्रों का है, जिनके परिणामों में ऐसे छात्रों को भी 0 या 1 नंबर दे दिए गए हैं जो पूर्व में मेधावी रहे हैं और उन्हीं विषयों में शानदार प्रदर्शन कर चुके हैं। छात्रों का कहना है कि एक जैसे विषयों में सैकड़ों छात्रों को 00 नंबर या बहुत कम अंक दिए गए हैं, जिससे स्पष्ट होता है कि या तो कॉपियां जांची ही नहीं गई या जानबूझकर छात्रों को नुकसान पहुंचाया गया। कई छात्रों ने देखा कि उनकी उत्तर पुस्तिकाओं पर बिना किसी टिप्पणी के सीधे क्रॉस कर दिए गए हैं, जबकि रिचेकिंग के बाद भी उन्हें संतोषजनक उत्तर नहीं मिला। इसलिए छात्रों ने अब आरटीआई लगाकर अपनी उत्तर पुस्तिकाओं की नकल मांगी है ताकि पारदर्शिता लाई जा सके।